

अंबरपुष्प पुं. (तत्.) खरपुष्प, आकाश कुसुम टि. आकाश में पुष्प नहीं खिल सकता अतः किसी भी असंभव कार्य के लिए कह दिया जाता है कि वह 'आकाश पुष्प' है।

अंबरबेल स्त्री. (तत्.+देश) कुछ पीलापन लिए हल्के हरे रंग की पत्र-पुष्प विहीन कोमल तनों वाली एक ऐसी लता जिसकी जड़ें, भूमि पर नहीं बल्कि आकाश में क्षुप, वृक्ष आदि के ऊपर होती हैं, उसका छोटा-सा भी भाग वृक्ष आदि पर डाल देने से यह उसी से शक्ति ग्रहण करती हुई बड़ी तेजी से बढ़ती चली जाती है तथा उस वृक्ष को अपने विस्तृत जाल से आच्छादित-सा कर देती है और अंत में वह वृक्ष क्रमशः सूख जाता है।

अंबरमणि स्त्री. (तत्.) आकाश में देदीप्यमान प्रकाश-पुंज, सूर्य।

अंबरवाणी स्त्री. (तत्.) 1. आकाशवाणी, अदृश्य वक्ता द्वारा बोली गई आकाश में गूँजने वाली वाणी 2. मेघों का गर्जन।

अंबरांत पुं. (तत्.) 1. वस्त्र का छोर (अंतिम भाग) 2. ऐसा स्थान जहाँ आकाश का अंत होता प्रतीत हो, क्षितिज।

अंबरीष पुं. (तत्.) 1. अयोध्या के एक सूर्यवंशी राजा भगीरथ के पौत्र तथा मांधाता के पुत्र 2. सूर्य 3. शिव, महादेव 4. विष्णु।

अंबष्ठ पुं. (तत्.) 1. महावत 2. लाहौर के पास स्थित एक प्राचीन राज्य तथा उसके निवासी 3. कायस्थ जाति का एक भेद।

अंबा स्त्री. (तत्.) 1. माता, जननी 2. पार्वती 3. दुर्गा 4. काशी के राजा इंद्रद्युम्न की तीन कन्याओं में सबसे बड़ी कन्या (जिसका भीष्म ने अपने भाई विचित्रवीर्य से विवाह करवाने के लिए अपहरण किया)।

अंबाझोर वि. (देश.) वृक्षों को झकझोर देने वाली (बहुत तेज वायु) जिससे पेड़ों के आम आदि फल झड़ जाएँ।

अंबार पुं. (फा.) ढेर, समूह, राशि।

अंबारी स्त्री. (अर.) 1. हाथी की पीठ पर रखा जाने वाला आसन (हौदा) जिस पर छाया के लिए छत्री जैसी होती है 2. मकान की छत पर बना छज्जा जो गुंबद के समान बना होता है।

अंबालिका स्त्री. (तत्.) काशी के राजा इंद्रद्युम्न की (तीन पुत्रियों में) सबसे छोटी पुत्री जिसका अपहरण भीष्म ने अपने भाई विचित्रवीर्य के लिए किया था, पांडु इसी के पुत्र थे।

अंबिका स्त्री. (तत्.) 1. देवी पार्वती का एक रूप, दुर्गा देवी 2. माता 3. काशी के राजा इंद्रद्युम्न की मंझली पुत्री।

अंबिकेय पुं. (तत्.) 1. पार्वती के पुत्र गणेश तथा कार्तिकेय 2. धृतराष्ट्र टि. धृतराष्ट्र की माता का नाम अंबिका था।

अंबिया स्त्री. (तद्.) आम का छोटा तथा कच्चा फल, टिकोरा, केरी।

अंबु पुं. (तत्.) जल, पानी।

अंबुखंडन पुं. (तत्.) 1. चातक 2. पपीहा वि. ऐसा कहा जाता है कि चातक स्वाति नक्षत्र में होने वाली वर्षा के जल के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार का जल ग्रहण नहीं करता है।

अंबुज पुं. (तत्.) 1. जल में उत्पन्न होने वाला 2. कमल 3. चंद्रमा 4. कपूर 5. शंख 6. ब्रह्मा 7. सारस 8. बैत 9. वज्र।

अंबुजाक्ष वि. (तत्.) जिसकी आँखें कमल के समान सुंदर हों, कमलनयन पुं. विष्णु।

अंबुजात पुं. (तत्.) दे. अंबुज।

अंबुजासन वि. (तत्.) कमल जिसका आसन है, कमल के आसन पर विराजमान पुं. ब्रह्मा।

अंबुद पुं. (तत्.) 1. जल प्रदान करने वाला, मेघ, वारिद, बादल, जलद 2. नागरमोथा।

अंबुधर वि. (तत्.) जल धारण करने वाला पुं. जलधर, मेघ, बादल।